नईदुनिया

खास-खबरें

जल्द आएँगे सात नए स्मार्टफोन, कई दिग्गज कंपनियां करेंगी लॉन्च

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: अगस्त का महीना स्मार्टफोन बाजार के लिए काफी व्यस्त रहने वाला है। गूगल, शाओमी, वीवो, पोको और अन्य प्रमुख कंपनियां इस महीने अपने नए स्मार्टफोन पेश करने की तैयारी में हैं। इन लॉन्च के साथ प्रीमियम और मिड-रेंज दोनों श्रेणियों के ग्राहकों के लिए नए विकल्प उपलब्ध होंगे। जानकारी के अनुसार, गूगल अपनी पिक्सल 11 सीरीज को इस महीने पेश करेगा। इसके साथ ही रेडमी नोट 17 सीरीज, वीवो एस2, पोको एम8 पावर और अन्य नए मॉडल भी बाजार में दस्तक देंगे। कुछ कंपनियां भारत में लॉन्च के साथ ही वैश्विक बाजारों में भी अपने नए स्मार्टफोन उपलब्ध कराने की तैयारी कर रही हैं। रिपोर्टों के अनुसार, कंपनियां इस बार बेहतर कैमरा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित सुविधाएं, बड़ी बैटरी, तेज चार्जिंग और नए प्रोसेसर जैसे फीचर्स पर विशेष जोर दे रही हैं। प्रीमियम श्रेणी के साथ-साथ मिड-रेंज स्मार्टफोन में भी उन्नत तकनीक उपलब्ध कराने की रणनीति अपनाई जा रही है।

इंडिगो के नए सीईओ बने विली वॉल्श, तीसरे दशक में नए नेतृत्व के साथ प्रवेश

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने अपने तीसरे दशक में प्रवेश से पहले नए नेतृत्व का स्वागत किया है। अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आयाटा) के पूर्व महानिदेशक विली वॉल्श ने सोमवार को कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के रूप में कार्यभार संभाल लिया। इंडिगो चार अगस्त को अपने परिचालन के 20 वर्ष पूरे करेगी। कंपनी ने मार्च 2026 में विली वॉल्श को सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की थी। इससे पहले तत्कालीन सीईओ पीटर एल्बर्स ने नौ मार्च को निजी कारणों से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद अंतरिम व्यवस्था के तहत कंपनी के प्रबंध निदेशक राहुल भाटिया प्रबंधन की जिम्मेदारी संभाल रहे थे।

इंडिगो ने कहा कि निदेशक मंडल और प्रबंधन टीम के साथ मिलकर विली वॉल्श कंपनी की परिचालन क्षमता को और मजबूत करेंगे। साथ ही वे कंपनी की रणनीतिक योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए ग्राहकों, शेयरधारकों और अन्य हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य सृजन पर ध्यान देंगे।

राहुल भाटिया ने कहा कि विली वॉल्श का वैश्विक विमानन अनुभव और रणनीतिक विशेषज्ञता इंडिगो की अंतरराष्ट्रीय विस्तार योजना को नई गति देगी। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में कंपनी वैश्विक विमानन क्षेत्र में अपनी स्थिति और मजबूत करेगी।

31 जुलाई 2026 को आयाटा के महानिदेशक पद से सेवानिवृत्त हुए विली वॉल्श ने कहा कि पिछले दो दशकों में इंडिगो ने दुनिया की प्रमुख विमान सेवा कंपनियों में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने भारत को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते विमानन बाजारों में से एक बताते हुए कंपनी के लिए व्यापक संभावनाएं जताईं।

ऑनलाइन डिलीवरी में हेराफेरी का भंडाफोड़, 75 लाख का माल बरामद

नईदुनिया ब्यूरो, नोएडा: नोएडा पुलिस और विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों की डिलीवरी से जुड़े एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लगभग 75 लाख रुपये मूल्य का सामान बरामद किया है। बरामद सामान में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, जूते, प्रोटीन सप्लीमेंट, बेबी प्रोडक्ट, श्रवण यंत्र तथा अन्य महंगे उत्पाद शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपी अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसी ई-कॉमर्स कंपनियों के डिलीवरी नेटवर्क का दुरुपयोग कर पार्सलों से असली सामान निकाल लेते थे। इसके बाद पार्सल में रद्दी या कम मूल्य की वस्तुएं भरकर उन्हें आगे भेज दिया जाता था। चोरी किए गए असली उत्पादों को अलग गोदाम में रखकर बाद में बाजार में बेच दिया जाता था। जांच के दौरान पुलिस ने सेक्टर-69 स्थित टीपी नगर के एक गोदाम पर छापा मारकर बड़ी मात्रा में चोरी का सामान बरामद किया। बरामद सामग्री का अनुमानित मूल्य लगभग 75 लाख रुपये बताया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरोह लंबे समय से इस तरीके से ई-कॉमर्स कंपनियों को नुकसान पहुंचा रहा था। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी डिलीवरी प्रक्रिया और लॉजिस्टिक व्यवस्था की जानकारी का लाभ उठाकर वारदात को अंजाम देते थे। वे महंगे उत्पादों को पार्सलों से निकालकर उनकी जगह बेकार सामग्री रख देते थे, जिससे ग्राहकों तक गलत सामान पहुंचता था और कंपनियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था।

बाजार में जोरदार तेजी, सेंसेक्स 544 अंक चढ़कर 78,639 पर बंद

निफ्टी में 390 अंकों की बढ़त, आईटी और बैंकिंग शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को मजबूत तेजी देखने को मिली। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन बीएसई सेंसेक्स 544 अंक की बढ़त के साथ 78,639 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 390 अंक चढ़कर 24,774 के स्तर पर पहुंच गया। कारोबार के दौरान निवेशकों की सबसे अधिक रुचि आईटी, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, प्राइवेट बैंक और सरकारी बैंकिंग क्षेत्र के शेयरों में रही। बाजार में आई इस तेजी के पीछे विभिन्न क्षेत्रों में व्यापक खरीदारी प्रमुख कारण रही। आईटी शेयरों ने सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि बैंकिंग और ऑटो कंपनियों के शेयरों में भी अच्छी मांग देखने को मिली। वित्तीय सेवा क्षेत्र के साथ एफएमसीजी और मेटल कंपनियों के शेयरों में भी निवेशकों ने सक्रिय खरीदारी की। एशियाई बाजारों का प्रदर्शन मिश्रित रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 338 अंक यानी 5.12 प्रतिशत की गिरावट के साथ 6,257 पर बंद हुआ। जापान का निक्केई सूचकांक 607 अंक यानी 0.94 प्रतिशत फिसलकर 63,755 पर पहुंच गया। वहीं, हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक 125 अंक यानी 0.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,009 पर बंद हुआ। अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में सकारात्मक रुख देखने को मिला था। डाउ जोंस 277 अंक यानी 0.53 प्रतिशत चढ़कर 52,485 पर बंद हुआ। नैस्डैक 252 अंक यानी एक प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,374 पर पहुंचा, जबकि एसएंडपी 500 सूचकांक 52 अंक यानी 0.70 प्रतिशत मजबूत होकर 7,490 के स्तर पर बंद हुआ। विदेशी संस्थागत निवेशकों की खरीदारी ने भी घरेलू बाजार को मजबूती दी। पिछले सात कारोबारी दिनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने 7,638 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध खरीदारी की। वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों ने भी इस अवधि में 3,059 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 31 जुलाई को भी बाजार में तेजी का रुख रहा था। उस दिन सेंसेक्स 166 अंक चढ़कर 78,094 पर और निफ्टी 66 अंक की बढ़त के साथ 24,383 के स्तर पर बंद हुआ था।

अमेरिका ने 15 साल बाद खरीदा जापानी येन

40 साल के निचले स्तर से उबारने की पहल

कमजोर मुद्रा, वैश्विक बाजार और ब्याज दरों के दबाव के बीच दोनों देशों ने किया समन्वित हस्तक्षेप

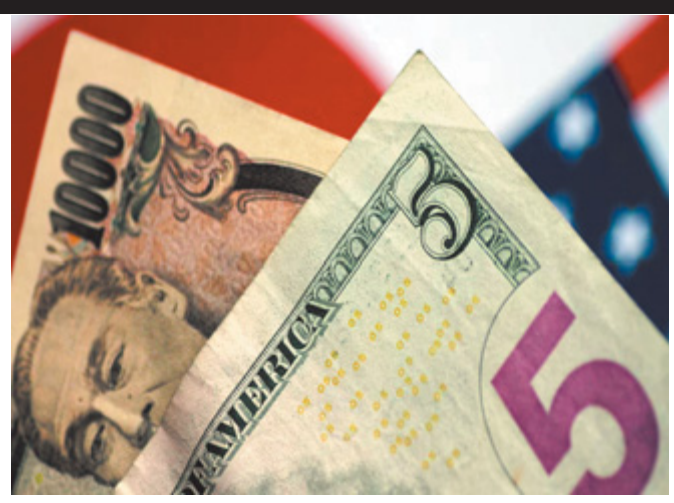

वॉशिंगटन, एजेंसी: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ने करीब 15 साल बाद जापानी येन की खरीद कर उसे डॉलर के मुकाबले 40 साल के सबसे निचले स्तर से उबारने में जापान की मदद की है। ट्रम्प ने कहा कि जापानी मुद्रा लगातार कमजोर हो रही थी और जापान को सहयोग की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि दुनिया की आर्थिक स्थिरता के लिए कमजोर मुद्रा को सहारा देना बेहतर है।

हाल ही में जापानी येन डॉलर के मुकाबले 164 के स्तर तक पहुंच गया था, जो चार दशक का सबसे निचला स्तर माना गया। इसके बाद जापान और अमेरिका ने संयुक्त रूप से विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया। वर्ष 2011 के बाद यह पहला अवसर है जब दोनों देशों ने समन्वित रूप से करेंसी बाजार में कदम उठाया है। उस समय पूर्वी जापान में आए भूकंप और सुनामी के बाद संयुक्त कार्रवाई की गई थी।

बैंक ऑफ जापान के अनुसार, टोक्यो ने संयुक्त हस्तक्षेप से पहले न्यूयॉर्क बाजार में लगभग 59 अरब डॉलर खर्च कर येन की खरीद की। वहीं अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्कॉट बेसेंट की नोटबुक से संकेत मिला कि अमेरिका ने भी 5 से 10 अरब डॉलर तक का जापानी येन खरीदने की तैयारी की थी। हालांकि अमेरिका ने आधिकारिक तौर पर राशि की पुष्टि नहीं की है।

जापान के वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस कार्रवाई से येन में आई अत्यधिक अस्थिरता पर नियंत्रण पाने में मदद मिली है। वहीं स्कॉट बेसेंट ने कहा कि अमेरिका, जापान के मौद्रिक और बाजार संबंधी कदमों का समर्थन करता है। ट्रम्प ने भी कहा कि अमेरिका जापान की मदद के लिए हमेशा तैयार है। विशेषज्ञों के अनुसार, यदि येन और जापानी सरकारी बॉन्ड में लगातार बिकवाली होती रहती तो इसका असर वैश्विक वित्तीय बाजारों पर पड़ता और अमेरिका के लिए भी कर्ज लेने की लागत बढ़ सकती थी। संयुक्त हस्तक्षेप के बाद डॉलर करीब 0.2 प्रतिशत गिरकर 157.07 येन पर आ गया, जिससे जापानी मुद्रा में कुछ मजबूती दर्ज की गई।

विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों देश आवश्यकता पड़ने पर भविष्य में भी समन्वित हस्तक्षेप कर सकते हैं। हालांकि उनका यह भी कहना है कि ऐसी खरीदारी से बाजार को अल्पकालिक राहत मिलती है, जबकि दीर्घकाल में येन की दिशा ब्याज दरों, वैश्विक निवेश और आर्थिक परिस्थितियों पर निर्भर रहेगी। जापान में लंबे समय तक बेहद कम ब्याज दरें, विदेशी निवेश और ऊर्जा आयात पर निर्भरता भी येन की कमजोरी के प्रमुख कारणों में शामिल रहे हैं।

सोना-चांदी में गिरावट, 10 ग्राम सोना 1.43 लाख रुपये पर पहुंचा

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: देश में सोमवार को सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार, 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का भाव 303 रुपये घटकर 1,42,557 रुपये पर आ गया। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 1,008 रुपये की गिरावट के साथ 2,17,287 रुपये दर्ज की गई।

आईबीजेए के अनुसार, 22 कैरेट सोने का भाव 1,30,582 रुपये प्रति 10 ग्राम, 18 कैरेट का 1,06,918 रुपये और 14 कैरेट सोने का भाव 83,396 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा। देश के प्रमुख शहरों में भी सोने की कीमतों में अंतर देखने को मिला। दिल्ली और जयपुर में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का भाव 1,44,370 रुपये रहा। मुंबई, कोलकाता और रायपुर में यह 1,44,220 रुपये दर्ज किया गया। भोपाल, पटना और अहमदाबाद में इसकी कीमत 1,44,270 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। वर्ष 2026 के दौरान सोने और चांदी की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। 31 दिसंबर 2025 को 10 ग्राम सोने का भाव 1,33,195 रुपये था, जो अब बढ़कर 1,42,557 रुपये हो गया है। इसके विपरीत, चांदी 31 दिसंबर 2025 के 2,30,420 रुपये प्रति किलो के स्तर से घटकर 2,17,287 रुपये प्रति किलो पर आ गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1,76,000 रुपये और चांदी ने 3,86,000 रुपये प्रति किलो का सर्वकालिक उच्च स्तर भी छुआ था।

चांदी एक हजार रुपये से अधिक सस्ती, विशेषज्ञों ने चरणबद्ध निवेश की दी सलाह

कमोडिटी विशेषज्ञ अजय केडिया का कहना है कि सोना और चांदी अपने उच्चतम स्तर से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशकों के लिए इनमें निवेश का अवसर है, लेकिन एकमुश्त निवेश के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करना अधिक उपयुक्त रहेगा। उनके अनुसार, वर्ष के अंत तक सोना 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.80 लाख रुपये प्रति किलो तक पहुंच सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, निवेशक गोल्ड ईटीएफ और सिल्वर ईटीएफ के माध्यम से भी निवेश कर सकते हैं। इनकी खरीद-बिक्री शेयर बाजार की तरह की जाती है और निवेशक कम राशि से भी निवेश की शुरुआत कर सकते हैं।

एनक्यूब एथिकल्स लाएगी 3,000 करोड़ रुपये का आईपीओ

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: मुंबई स्थित फार्मा कंपनी एनक्यूब एथिकल्स लिमिटेड ने 3,000 करोड़ रुपये के प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास प्रारूप रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी के अनुसार, आईपीओ में एक रुपये अंकित मूल्य वाले इक्विटी शेयर बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे। इस निर्गम के तहत प्रवर्तक मेहुल मधुसूदन शाह तथा निवेशक विक्रेता शेयरधारक फ्रंटियर इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे। प्रस्तावित निर्गम में अधिकतम 50 प्रतिशत हिस्सा पात्र संस्थागत खरीदारों, न्यूनतम 15 प्रतिशत

सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल, बीएसई और एनएसई पर सूचीबद्ध कराने का प्रस्ताव

गैर-संस्थागत निवेशकों और न्यूनतम 35 प्रतिशत खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों के लिए आरक्षित रहेगा। वर्ष 1995 में स्थापित एनक्यूब एथिकल्स वैश्विक स्पेशियलिटी फार्मास्युटिकल फॉर्म्युलेशन कंपनी है। कंपनी टॉपिकल और ट्रांसडर्मल डोज विकसित करने तथा उनके विनिर्माण में विशेषज्ञता रखती है। 31 मार्च 2026 तक कंपनी भारत सहित अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप समेत 50 देशों में सेवाएं प्रदान कर रही थी। कंपनी की विनिर्माण इकाइयों को यूएसएफडीए, यूरोपीय संघ जीएमपी, पीएमडीए, हेल्थ कनाडा, एनवीसा और टीजीए सहित 11 अंतरराष्ट्रीय नियामक संस्थाओं से मान्यता प्राप्त है। 31 मार्च 2026 तक कंपनी में 1,684 कर्मचारी कार्यरत थे और वह 50 देशों की 160 से अधिक फार्मा कंपनियों को सेवाएं दे रही थी। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी की परिचालन आय 1,848.7 करोड़ रुपये रही, जबकि शुद्ध लाभ 436.7 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। कंपनी के शेयरों को बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कराने का प्रस्ताव है।

माल ढुलाई नौ प्रश बढ़ी, 14.10 करोड़ टन का आंकड़ा पार

यात्री संख्या और माल ढुलाई से आय में भी बढ़ोतरी, कोयला व लौह अयस्क परिवहन में रहा बेहतर प्रदर्शन

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारतीय रेलवे ने जुलाई 2026 के दौरान माल ढुलाई और यात्री परिवहन दोनों क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन दर्ज किया है। रेलवे के अनुसार, जुलाई में 14.10 करोड़ टन से अधिक माल की ढुलाई की गई, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में लगभग नौ प्रतिशत अधिक है।

रेलवे ने बताया कि जुलाई के दौरान 63.35 करोड़ यात्रियों ने रेल सेवाओं का उपयोग किया, जबकि पिछले वर्ष इसी महीने यह संख्या 62.19 करोड़ थी। उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों श्रेणियों में यात्रियों की संख्या में वृद्धि दर्ज की गई।

रेलवे के आंकड़ों के अनुसार, जुलाई 2026 में कुल माल ढुलाई 14.13 करोड़ टन रही, जबकि जुलाई 2025 में यह 12.97 करोड़ टन थी। रेलवे ने इस वृद्धि का श्रेय अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्रों में बढ़ती मांग और माल ढुलाई व्यवस्था को अधिक सक्षम बनाने के लिए किए गए निरंतर प्रयासों को दिया है।

विभिन्न वस्तुओं की ढुलाई में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। लौह अयस्क की ढुलाई में 22.2 प्रतिशत, कोयले में 11.5 प्रतिशत, खाद्यान्न में 11.5 प्रतिशत, उर्वरकों में 12 प्रतिशत तथा अन्य वस्तुओं की ढुलाई में 12.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। रेलवे के अनुसार, यह बुनियादी ढांचा, विनिर्माण और कृषि क्षेत्रों में मजबूत मांग का संकेत है। ताप विद्युत संयंत्रों में बढ़ती आवश्यकता के कारण घरेलू कोयले की आपूर्ति भी पिछले वर्ष की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक रही।

माल ढुलाई से रेलवे की आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई। जुलाई के दौरान माल परिवहन से होने वाली आय पिछले वर्ष की तुलना में 11.37 अरब रुपये अधिक रही। पूर्व मध्य रेलवे और पश्चिम रेलवे ने 33-33 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की, जबकि पश्चिम मध्य रेलवे में 23 प्रतिशत और दक्षिण पूर्व रेलवे में 10.33 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रेलवे ने कहा कि वह माल ढुलाई व्यवस्था को और मजबूत बनाने, यात्री सेवाओं में सुधार तथा आधुनिक रेल अवसंरचना के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है।

कच्चे तेल की नरम कीमतों और मजबूत तिमाही नतीजों से निवेशकों का भरोसा बढ़ा

टॉप-10 कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2.51 लाख करोड़ रुपये बढ़ा

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: भारतीय शेयर बाजार में बीते सप्ताह आई मजबूत तेजी का असर देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों के बाजार पूंजीकरण पर भी देखने को मिला। शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ के संयुक्त बाजार पूंजीकरण में लगभग 2.51 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, वैश्विक बाजारों से मिले सकारात्मक संकेत और वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के बेहतर वित्तीय परिणामों ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया।

इस तेजी के दौरान बजाज फाइनेंस सबसे बड़ा लाभार्थी बनकर उभरा। कंपनी के बाजार पूंजीकरण में 80,345 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। दूसरी ओर, शीर्ष 10 कंपनियों में हिंदुस्तान यूनिलीवर एकमात्र ऐसी कंपनी रही, जिसके बाजार पूंजीकरण में गिरावट दर्ज की गई।

बाजार पूंजीकरण किसी भी सूचीबद्ध कंपनी के कुल प्रचलित शेयरों के बाजार मूल्य को दर्शाता है। इसकी गणना कंपनी के कुल जारी और प्रचलित शेयरों की संख्या को प्रति शेयर बाजार मूल्य से गुणा करके की जाती है। शेयर की कीमतों में बदलाव के साथ कंपनी का बाजार पूंजीकरण भी बढ़ता या घटता रहता है। यदि किसी कंपनी के शेयरों की कीमत में बढ़ोतरी होती है, उसके वित्तीय परिणाम मजबूत रहते हैं या कंपनी से जुड़ी सकारात्मक खबरें आती हैं, तो उसका बाजार पूंजीकरण बढ़ सकता है।

स्पेशल खबर 5 अगस्त को होगा फैसलों का ऐलान, महँगाई और वैश्विक परिस्थितियों पर रहेगी नजर...

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की बैठक, रेपो रेट स्थिर रहने के आसार

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक सोमवार से शुरू हो गई। बैठक में रेपो रेट सहित विभिन्न मौद्रिक नीतिगत मुद्दों पर विचार किया जाएगा। समिति के फैसलों की घोषणा 5 अगस्त को की जाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि महंगाई के रुख और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को देखते हुए इस बार रेपो रेट में किसी बदलाव की संभावना कम है। रिजर्व बैंक की इस वित्तीय वर्ष की यह तीसरी मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक है। इससे पहले अप्रैल और जून में बैठकें हो चुकी हैं। जून में हुई पिछली बैठक में केंद्रीय बैंक ने रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर स्थिर रखा था। हालांकि वर्ष 2027 के लिए महंगाई का अनुमान 4.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.1 प्रतिशत कर दिया गया था। चालू वित्तीय वर्ष में कुल छह मौद्रिक नीति बैठकें निर्धारित हैं।

आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के सख्त मौद्रिक रुख के बावजूद भारतीय रिजर्व बैंक ब्याज दरों में बदलाव को लेकर जल्दबाजी नहीं करेगा। केंद्रीय बैंक का मुख्य ध्यान घरेलू महंगाई, तरलता और आर्थिक वृद्धि के बीच संतुलन बनाए रखने पर रहेगा।

इक्विरस सिक्योरिटीज के अनुसंधान प्रमुख मौलिक पटेल ने भी इस बैठक में रेपो रेट को यथावत रखने का अनुमान जताया है। उनके अनुसार, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों और मौसम संबंधी प्रभावों के कारण थोक तथा खुदरा महंगाई पर दबाव बना हुआ है। इसी वजह से पूरे वर्ष के लिए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित महंगाई दर 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर सख्त होती मौद्रिक नीतियों को देखते हुए भारतीय रिजर्व बैंक आगे के निर्णयों में सतर्कता बरतेगा। उनके अनुसार, दिसंबर में होने वाली मौद्रिक नीति समीक्षा के दौरान केंद्रीय बैंक रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी पर विचार कर सकता है।

रेपो रेट वह ब्याज दर होती है, जिस पर भारतीय रिजर्व बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालिक ऋण उपलब्ध कराता है। महंगाई बढ़ने पर केंद्रीय बैंक रेपो रेट बढ़ाकर बाजार में मुद्रा प्रवाह को नियंत्रित करता है, जबकि आर्थिक गतिविधियों को गति देने के लिए आवश्यकता पड़ने पर इसमें कटौती भी की जाती है।

नए ऑर्डर में कमी से विनिर्माण क्षेत्र की रफ्तार धीमी

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: जुलाई में नए ऑर्डरों की रफ्तार धीमी पड़ने से देश के विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि में सुस्ती दर्ज की गई। एचएसबीसी इंडिया खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जून के 54.2 से घटकर जुलाई में 53.5 पर आ गया, जो लगभग पांच वर्षों का सबसे निचला स्तर है। हालांकि सूचकांक 50 से ऊपर बना हुआ है, जो विनिर्माण गतिविधियों में विस्तार का संकेत देता है। एचएसबीसी के अनुसार, जुलाई में विनिर्माण गतिविधियां बढ़ीं, लेकिन उनकी गति अगस्त 2021 के बाद सबसे धीमी रही। नए ऑर्डरों की वृद्धि चार वर्षों के दूसरे सबसे निचले स्तर पर दर्ज की गई। घरेलू मांग की रफ्तार कमजोर रही, जबकि वैश्विक बाजारों से मांग में सुधार देखने को मिला। कंपनियों ने कनाडा, मिस्र, इंडोनेशिया, केन्या, नेपाल, दक्षिण अफ्रीका, थाईलैंड और संयुक्त अरब अमीरात से मांग में उल्लेखनीय वृद्धि की जानकारी दी है। इससे निर्यात बाजारों में भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को कुछ राहत मिली है। एचएसबीसी इंडिया की मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि कंपनियों के लिए आपूर्ति समय में सुधार हुआ है, लेकिन पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के कारण इस सुधार की स्थिरता को लेकर चिंता बनी हुई है। इसी वजह से कई विनिर्माताओं ने कच्चे माल और तैयार उत्पादों का अतिरिक्त भंडारण शुरू कर दिया है।